

10/9/25

को पेश हो।

पत्रां पेश हुई। वकुं उपर। शेष उतिवादीगणों की तत्वी
 की मौज पाहा गया। पूर्व में अनेक अवसर
 दिये जा चुके हैं अब और अवसर दिया
 जाना उचित नहीं है। अतः दावा अदम्य
 वैसी इसी स्तर पर स्वारिज किया जाना
 है। पत्रां फ़ैसल शुमार होकर दाखिल
 कप्तार हो।

महोदय/मालक। इन्हें तर्क लाठ लिखा
 25/9/25... अकमिठ मलिठ...
 25/9/25... कौन्ही माफ़ुगेष्ट लिखा। 3 अंश
 1 डि तर्क कि



महोदय कि सिविली कमीशन 1/10/25 तर्क
 25/9/25... अकमिठ मलिठ...
 1 डि तर्क कि 25/9/25 कौन्ही किल...
 25/9/25